



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W3CN17890	ImageGroup:	I3CN20759
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	གསུང་འབུམ། བསམ་འགྲུབ་དོན། gsung 'bum/ bsam 'grub rdo rje/
Author:	བསམ་འགྲུབ་དོན། bsam 'grub rdo rje
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	1
Total Volumes:	1
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor, Cambridge, Mass. 02138. Comments: 2019

॥ २७ ॥ यथायथापराधेनैव दण्डयेत्तद्विधानं तथैव विधायेत्तद्विधानं तथैव विधायेत्तद्विधानं

453

999

[illegible]

1999

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous line of handwritten script.]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a dense Sanskrit manuscript.)

[illegible]

[illegible]

3

॥ अथ श्रुत्वा तस्मिन्नेव दिने ॥ अथ श्रुत्वा तस्मिन्नेव दिने ॥ अथ श्रुत्वा तस्मिन्नेव दिने ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीभक्तिसहितप्रबोधनसंस्कृतस्य श्रीकृष्णार्जविरहसंग्रहात् ।

[illegible]

मन्त्रोऽयं हि देवायैकैकं देवमन्त्रं यो देवेभ्यः ।
 तस्यैकैकं देवमन्त्रं यो देवेभ्यः तस्यैकैकं देवमन्त्रं ।
 देवमन्त्रोऽयं देवायैकैकं देवमन्त्रं यो देवेभ्यः ।
 तस्यैकैकं देवमन्त्रं यो देवेभ्यः तस्यैकैकं देवमन्त्रं ।

कुम्भारद्वयः प्रथमः अथ द्वितीयः
पुनश्च कुम्भारद्वयः प्रथमः अथ द्वितीयः
पुनश्च कुम्भारद्वयः प्रथमः अथ द्वितीयः

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीव ।

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and largely illegible due to extreme blurring and noise. It appears to be a dense Sanskrit manuscript passage.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous line of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1991

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

১৭

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

10

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अष्टादशोऽध्यायः ॥

इति श्रीमद्भगवत्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः समाप्तः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

11. 1990年12月1日

129

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1291

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१७३।

पुस्तकपदी

शुद्धिद्वयपुस्तकपदी

पुस्तकपदी

पुस्तकपदी

पुस्तकपदी

पुस्तकपदी

पुस्तकपदी

पुस्तकपदी

पुस्तकपदी

पुस्तकपदी

पुस्तकपदी

पुस्तकपदी

पुस्तकपदी

पुस्तकपदी

पुस्तकपदी

पुस्तकपदी

पुस्तकपदी

पुस्तकपदी

पुस्तकपदी

पुस्तकपदी

पुस्तकपदी

पुस्तकपदी

पुस्तकपदी

पुस्तकपदी

पुस्तकपदी

पुस्तकपदी

पुस्तकपदी

पुस्तकपदी

पुस्तकपदी

पुस्तकपदी

पुस्तकपदी

पुस्तकपदी

पुस्तकपदी

पुस्तकपदी

पुस्तकपदी

पुस्तकपदी

पुस्तकपदी

* ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

गुणैर्गोप्यते । तदुक्तं गुरुनाथमहास्वाम्या । अहमस्मिन्महामयस्य परमेश्वरस्य कुरुते प्रसन्नोऽस्य परमेश्वरः ।

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

1897

॥ यमेसु वैश्वेदमसु ॥

परिदणः परुषद्वयैः भुङ्क्ता

अथ श्रुतिः ।

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

कुलसुखायैवयंकेदयैःसिद्धिदम् ।

॥ कस्यचिदेवैश्वर्यं देवैर्वापि नृपैश्च न विदुः ॥

पेदक सुदसुद नीस दव पुवस पाव लोवस मरे पलेद

मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and largely illegible due to extreme blurring and noise.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

၁၁၇။ ၂။ ၁။ ၂။ ၃။ ၄။ ၅။ ၆။ ၇။ ၈။ ၉။ ၁၀။ ၁၁။ ၁၂။ ၁၃။ ၁၄။ ၁၅။ ၁၆။ ၁၇။ ၁၈။ ၁၉။ ၂၀။ ၂၁။ ၂၂။ ၂၃။ ၂၄။ ၂၅။ ၂၆။ ၂၇။ ၂၈။ ၂၉။ ၃၀။ ၃၁။ ၃၂။ ၃၃။ ၃၄။ ၃၅။ ၃၆။ ၃၇။ ၃၈။ ၃၉။ ၄၀။ ၄၁။ ၄၂။ ၄၃။ ၄၄။ ၄၅။ ၄၆။ ၄၇။ ၄၈။ ၄၉။ ၅၀။ ၅၁။ ၅၂။ ၅၃။ ၅၄။ ၅၅။ ၅၆။ ၅၇။ ၅၈။ ၅၉။ ၆၀။ ၆၁။ ၆၂။ ၆၃။ ၆၄။ ၆၅။ ၆၆။ ၆၇။ ၆၈။ ၆၉။ ၇၀။ ၇၁။ ၇၂။ ၇၃။ ၇၄။ ၇၅။ ၇၆။ ၇၇။ ၇၈။ ၇၉။ ၈၀။ ၈၁။ ၈၂။ ၈၃။ ၈၄။ ၈၅။ ၈၆။ ၈၇။ ၈၈။ ၈၉။ ၉၀။ ၉၁။ ၉၂။ ၉၃။ ၉၄။ ၉၅။ ၉၆။ ၉၇။ ၉၈။ ၉၉။ ၁၀၀။

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blurring.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side of the page. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a dense block of handwritten or printed script.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

[The page contains approximately 10 lines of handwritten text in a cursive script, likely from a historical manuscript.]

